वर्ष :-1

अंक:-290

1.12.2025

सोमवार

अपना नालंदा

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

पेज 1 नालंदा का नंबर वन डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

नूरसराय पुलिस ने स्विफ्ट डिजायर समेत पांच अपहृतों को किया बरामद

विजय प्रकाश उर्फ पित्रु

नूरसराय (अपना नालंदा)। नूरसराय थाना पुलिस ने शनिवार की रात अपहृत किए गए पांच लोगों को स्विफ्ट डिजायर वाहन सहित सकुशल बरामद कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। रविवार को थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एसडीपीओ टू संजय कुमार जायसवाल ने मामले की पूरी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि नूरसराय किनोर बारात जा रहे पांच लोगों को एक स्विफ्ट डिजायर कार में सवार अवैध तत्वों ने अपहरण कर लिया है। अपहृतों को एक बाइक और एक बोलेरो सवार अपराधियों ने कार समेत जबरन अगवा कर । लिया था। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने वरीय अधिकारियों को अवगत कराया, जिसके बाद एसडीपीओ टू के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए परिऔना, छतरपुर और अंधना क्षेत्रों में छापेमारी की।

इस दौरान सभी पांचों अपहृतों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस ने अपहृतों की स्विफ्ट डिजायर कार और अपहरण में उपयोग की गई एक बाइक भी जब्त की। साथ ही छतरपुर गांव से एक अपहरणकर्ता विकास कुमार को गिरफ्तार किया गया, जो दीपनगर थाना क्षेत्र के विजवनपर गांव का निवासी है।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आपसी पैसे के लेनदेन के विवाद में इस अपहरण की घटना को अंजाम दिया गया था। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

बरामद अपहृतों में नवादा के चकाई निवासी गोलू कुमार, बलवापुर निवासी पिंकू कुमार और राकेश कुमार, हिरमा बिगहा निवासी नीतीश कुमार तथा झिंग नगर (बिहार थाना) निवासी विक्रम कुमार शामिल हैं।

छापेमारी दल में इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, अपर थानाध्यक्ष संजीव कुमार, दारोगा रमेश पासवान, रणधीर कुमार, मनोज कुमार पंडित, धीरज कुमार पूरी समेत अन्य पुलिस बल शामिल थे।

बारात में मारपीट और फायरिंग मामले में आरोपियों की पहचान शुरू हुई

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। दीपनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवधारी मैरेज हॉल, पहाड़पुरा कैम्ब्रिज स्कूल के पास शुक्रवार रात बारात के दौरान मारपीट एवं फायरिंग की घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही दीपनगर थानाध्यक्ष तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सभी आरोपी मौके से फरार हो चुके थे।

पुलिस जांच में पता चला कि शिवधारी मैरेज हॉल में छोटे राउत, साकिन नाला रोड बिहारशरीफ के पुत्र की बारात पहुंची थी। वहीं बगल में दिलीप महतो के यहां भी बारात चल रही थी। इसी दौरान दोनों पक्षों के बारातियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई और दिलीप महतो पक्ष के लोग समूह बनाकर शिवधारी मैरेज हॉल पहुंचे, जहां मारपीट के साथ फायरिंग भी की गई।

घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें भीड़ के बीच एक व्यक्ति को फायरिंग करते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वीडियो के आधार पर मारपीट एवं फायरिंग में शामिल व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने फायरिंग करने वाले आरोपी की आंशिक पहचान भी स्थापित कर ली है और पूरे प्रकरण की बारीकी से जांच शुरू कर दी है।

दीपनगर थाना पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सभी आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। पुलिस टीम लगातार संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है और पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

इस्लामपुर में चोरों ने घर से नकदी-जेवर समेत दस लाख की चोरी

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर थाना क्षेत्र के बांधपर गांव में शनिवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए नकदी और जेवरात समेत लगभग दस लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। पीड़ित मुकेश कुमार ने इस संबंध में थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

घटना के संबंध में मुकेश कुमार ने बताया कि वे घर की निचली मंजिल पर सो रहे थे, जबकि दूसरे कमरे की अलमारी में नकदी व कीमती जेवरात रखे हुए थे। रविवार की सुबह उनकी पत्नी जब उस कमरे में गईं तो देखा कि अलमारी का ताला टूटा हुआ है और कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा है।

सामान की जांच के बाद पता चला कि चोर बक्से में रखे लगभग चार लाख रुपये मूल्य के चांदी के बर्तन, करीब दो लाख रुपये के कांसा व पीतल के बर्तन, लगभग तीन लाख रुपये के सोने के जेवर के अलावा अलमारी में रखे 50 हजार रुपये नकद, सोने की चूड़ी, दो चेन, दो अंगूठी, झुमकी, कंठी तथा चांदी की दो जोड़ी पाजेब सहित कई कीमती वस्तुएं ले गए।

सूचना मिलने पर इस्लामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि चोरी की घटना की जांच की जा रही है तथा जल्द ही चोरों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित परिवार चोरी की इस बड़ी वारदात के कारण दहशत में है। स्थानीय लोगों ने भी रात में गश्त बढ़ाने और क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग तेज करने की मांग की है।

खलिहान में भीषण आग, तीन किसानों के सात धान पुंज जलकर राख — एक बकरी की मौत

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर थाना क्षेत्र के हसनगंज गांव के समीप स्थित खलिहान में रविवार को अचानक लगी भीषण आग में तीन किसानों के धान से भरे कुल सात पुंज जलकर राख हो गए। घटना में करीब एक लाख रुपये मूल्य की संपत्ति नुकसान होने का अनुमान है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हसनगंज गांव के किसान प्रमोद चौहान के धान से भरे चार पुंज जलकर नष्ट हो गए। आग की चपेट में आने सेएक बकरी की झुलसकर मौत भी हो गई। वहीं किसान प्रकाश चौहान के दो पुंज तथा सुरेंद्र चौहान के एक पुंज भी पूरी तरह राख हो गए।

इसके अलावा ठंड के मौसम में उपयोग होने वाला ओढ़ना-बिछौना सहित अन्य घरेलू सामान भी आग में जलकर नष्ट हो गया।

घटना पर अफसोस जताते हुए जिला बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य धर्मेंद्र चौहान, सरपंच प्रतिनिधि मुकेश शर्मा तथा वार्ड सदस्य प्रतिनिधि योगेंद्र चौहान ने संयुक्त बयान जारी कर राज्य सरकार से सभी पीड़ित किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की है।

गश्ती के दौरान दो शराब पीकर हंगामा कर रहे युवक गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बेन (अपना नालंदा)। थाना अध्यक्ष रविराज कुमार ने बताया कि रविवार को गश्ती के दौरान पुलिस ने नोहसा मठ के पास पक्की सड़क से दो नशे में पाए गए व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चिंटू प्रसाद उम्र 40 वर्ष), पिता—कामता राम, निवासी—आत्मा मठ, थाना—इस्लामपुर तथा सुनील कुमार (उम्र 28 वर्ष), पिता—राजेंद्र राम, निवासी—पांडे चक, थाना—नूरसराय के रूप में की गई है।

दोनों के शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK
3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
Amenities
60% Free Area
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

उपेंद्र कुशवाहा पर आधारित संघर्षनायक पुस्तक का विमोचन, कई जनप्रतिनिधि हुए शामिल

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा के चारों सदनों के संसदीय जीवन पर आधारित पुस्तक “संसदीय लोकतंत्र के संघर्षनायक : उपेंद्र कुशवाहा” का रविवार को विधिवत विमोचन किया गया। पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि उपेंद्र कुशवाहा के कर-कंपलों से सम्पन्न हुआ।इस पुस्तक के लेखक, समाजवादी विचारक राम पुकार सिन्हा ने बताया कि पुस्तक में उपेंद्र कुशवाहा के राजनीतिक सफर, उनके संघर्ष, संसदीय कार्यशैली, जनता से जुड़ाव और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को विस्तार से रेखांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक राजनीतिक अध्ययन और संसदीय व्यवहार समझने वालों के लिएमहत्वपूर्ण दस्तावेज साबित होगी।विमोचन समारोह में कई जनप्रतिनिधि,बुद्धिजीवी और समाजसेवी उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से विधायक माधव आनंद, आलोक सिंह, मदन चौधरी, फजल इमाम मलिक, अंगद कुशवाहा, प्रशांत पंकज, ठाकुर धर्मेंद्र सिंह, डॉ. जंगबहादुर सिंह, रविंद्र कुमार सिन्हा, सुभाष चंदवंशी, ब्रजेन्द्र कुमार पप्पू, चंदन बागची, हिमांशु पटेल, शुकुल राम तथा स्मृति कुमुद विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा का राजनीतिक जीवन संघर्ष, सरलता और समाजमूलक राजनीति का उदाहरण है। पुस्तक के माध्यम से युवाओं व शोधार्थियों को उनके कार्यों को समझने का अवसर मिलेगा।समारोह में उपस्थित लोगों ने लेखक राम पुकार सिन्हा के प्रयास की सराहना की और पुस्तक को लोकतांत्रिक राजनीति के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण बताया।

खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया

पटना (अपना नालंदा)। बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह से रविवार को सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन ऑफ बिहार का एक प्रतिनिधिमंडल भेंट करने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक आजाद, प्रदेश महासचिव धर्मवीर कुमार तथा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रवि मेहता शामिल थे। सभी ने खेल मंत्री बनने पर उन्हें बुके और ओलंपिक विजय की तस्वीर भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्रेयसी सिंह ने एक खिलाड़ी से खेल मंत्री बनने तक के अपने सफर को साझा करते हुए कहा कि बिहार के खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है और इस प्रतिभा को पहचान कर आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

चर्चा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ियों की उपलब्धियों, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन और विभिन्न प्रतियोगिताओं में मिली सफलताओं की जानकारी दी। महासचिव धर्मवीर कुमार ने राज्य सरकार की योजना “मेडल लाओ, नौकरी पाओ” के तहत खिलाड़ियों को रोजगार मिलने की स्थिति और मैदानों की कमी से खिलाड़ियों को हो रही कठिनाइयों से भी अवगत कराया।

मंत्री श्रेयसी सिंह ने आश्वस्त किया कि बिहार में सॉफ्ट टेनिस के विकास के लिए विभाग पूरी सहायता करेगा। साथ ही वर्ष 2032 एशियन गेम्स के लिए बिहार के खिलाड़ियों को तैयार करने में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया।प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि श्रेयसी सिंह के खेल मंत्री बनने से बिहार के खेल जगत में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। ओलंपिक व कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक विजेता और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित श्रेयसी सिंह देश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने जनप्रतिनिधि रहते हुए ओलंपिक में भाग लिया है। उनके नेतृत्व से खिलाड़ियों को नई उम्मीद मिली है।

किसान चौपाल में कृषि मंत्री ने समस्याएँ सुनी, समाधान का आश्वासन दिया

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार सरकार के कृषि मंत्री श्री राम कृपाल यादव ने रविवार को पटना सिटी के जल्ला क्षेत्र स्थित बाहरी धवलपुरा में आयोजित किसान परिचर्चा-किसान चौपाल में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित हुए और कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए अपनी समस्याएँ सीधे उनके समक्ष रखीं।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कृषि विकास, किसान सुरक्षा और किसान सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा, “किसानों को किसी भी कीमत पर परेशान नहीं होने दिया जाएगा। किसानों का दुख मेरा दुख है।” उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसान संबंधी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्याज उत्पादन में बिहार देश में चौथे स्थान पर है तथा प्याज, आलू और सब्जियाँ जल्ला क्षेत्र की प्रमुख फसलें हैं। मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र की चुनौतियों से वे भली-भांति परिचित हैं और इनके समाधान के लिए जल्द प्रभावी पहल की जाएगी।

किसानों ने चौपाल में एक सामूहिक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें नहर का पक्कीकरण, नेशनल हाईवे के नीचे अंडरपास निर्माण, जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान, समय पर बीज-उर्वरक-कीटनाशक उपलब्धता, सब्जी विक्रय केंद्र की स्थापना और सिंचाई के लिए नियमित बिजली आपूर्ति जैसी महत्वपूर्ण मांगें शामिल थीं।

मंत्री ने ज्ञापन में उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए किसानों को आश्वस्त किया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों पर सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में किसान आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण मेहता, स्थानीय विधायक रत्नेश कुशवाहा समेत बड़ी संख्या में किसान और कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय में नेताओं ने सुनी मन की बात, डॉ. जायसवाल बोले प्रेरक

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंवाद कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 128वें एपिसोड को सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सह उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, संगठन महामंत्री भिखू भाई दालसानिया, विधायक विनोद नारायण झा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के बाद प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन से बहुत कुछ समझने, सीखने और जानने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने भारतीय नौसेना की बहादुरी, भूटान के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों, ‘वोकल फॉर लोकल’ अभियान और भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर विशेष चर्चा की। इससे देशभर में उत्साह बढ़ता है तथा दूरस्थ क्षेत्रों की उपलब्धियाँ राष्ट्रीय फोकस में आती हैं।

डॉ. जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 357 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 100 मिलियन

टन बढ़ा है। यह किसानों की मेहनत और सरकार की नीतियों का परिणाम है।

प्रधानमंत्री ने सर्दियों के दौरान बढ़ती ‘वेड इन इंडिया’ की लोकप्रियता, पहाड़ी व गंगा किनारे हो रही डेस्टिनेशन वेडिंग्स को पर्यटन वृद्धि से जोड़कर उल्लेखित किया। उन्होंने वंदे मातरम के 150 वर्ष, राम मंदिर से जुड़ी गतिविधियों और देशभर में उत्पादित शहद को मधु क्रांति का नाम देते हुए मधुमक्खी पालन को नई दिशा प्रदान की।

कार्यक्रम में भाजपा नेता अनिल शर्मा, अमित प्रकाश बबलू, संजीव मिश्रा, पूनम सिंह, अचल सिन्हा, प्रवीण पटेल, ज्ञान ओझा, विवेक मिश्र माधव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और प्रधानमंत्री का मासिक उद्बोधन एकाग्रता से सुना।

इस्लामपुर में जदयू विधायक रूहैल रंजन ने जन सहयोग कार्यालय खोला

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। रविवार को इस्लामपुर प्रखंड कार्यालय के समीप नव-निर्वाचित जदयू विधायक रूहैल रंजन ने एनडीए का जन सहयोग कार्यालय उद्घाटित किया। उन्होंने बताया कि यह कार्यालय आम जनता की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर खुला रहेगा। विधायक ने कहा कि वे स्वयं सप्ताह में दो से तीन दिन यहां बैठकर लोगों की शिकायतों और सुझावों को सुनेंगे तथा उन्हें दूर करने का हर संभव प्रयास करेंगे।

रूहैल रंजन ने इस्लामपुर प्रखंड के सभी ग्रामीण निवासियों से अपील की कि वे अपनी समस्या या सुझाव लेकर कार्यालय में बेझिझक आएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का लक्ष्य है कि सरकार की प्रत्येक कल्याणकारी योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। एनडीए सरकार के कार्यकाल में बिहार में कई विकासात्मक कार्य हुए हैं और आगे भी विकासकी गति जारी रहेगी।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए जीविका के माध्यम से सहायता राशि दी गई, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। वृद्धजनों और विधवाओं की पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गई है। वहीं, आम उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने की सुविधा दी गई है। सात निश्चय योजना के तहत नल-जल सहित कई योजनाओं से लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम में जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह उप मुख्य पार्षद तनवीर आलम, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, सौरभ जैन, मोहम्मद मुख्तार, वीरेंद्र प्रसाद, कौशलेन्द्र शर्मा, पप्पू कुमार, चंदन पटेल, सन्नी पटेल, मुरतज़ा हुसैन, मोकीम आलम, मकसूद आलम सहित कई लोग उपस्थित थे।

Reg.- 480784
SINCE 1983
NO BRANCH
ओम टेलर्स®
MEN'S WEAR
Specialist
Gents Suiting Shirting
& Suit, Sherwani
Japani Fusing Machine
www.omtailors.in
omtailorsbihar@gmail.com
9835487066
मघड़ा कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, एम.जी. रोड, बिहार शरीफ (नालन्दा)

ABIR PRESENTS
ABIR – THE LITTLE CHAMP
AI & Skill-Based Career Focused Education
Pre-Play to Class 8th
Complete Education Under One Roof – School • Competitive Coaching • Hostel
1 साल की फीस दो, अगला साल बिल्कुल FREE!
(Books + Uniform + Transport FREE – सिर्फ पहले 100 बच्चों के लिए)
पिछले साल सीटें 14 दिनों में फुल हो गई थीं – इस बार मौका मत खोइए!
अब बच्चों को बाहर भेजने की ज़रूरत नहीं!
सबसे अच्छी पढ़ाई + प्रतियोगी तैयारी अब आपके ही शहर में!
• 100% Result-Focused तैयारी • Daily Tests • Expert Teachers
• AI-Smart Learning • Smart Classes • Safe Hostel
• Discipline • Career Guidance • Transport Free
• पढ़ाई + Competition Coaching = सफलता एक ही जगह
• English + Smart Classes
Courses & Competitive Wing
Navodaya | Netarhat | Sainik School | Simultala
Olympiad | NTSE | JEE-NEET Foundation | UPSC/BPSC Basics
माँ-बाप की सबसे बड़ी चिंता – पढ़ाई और सुरक्षा, हम संभालेंगे!
आप सिर्फ सपनों को पूरा होते देखिए!
• Locations: Patna | Biharshariff | Chandi | Hilsa
• Contact: 9142332144 | 9084671203 | 92791252555
Website: thelittlechampschool.com | Email: thelittlechampschool@gmail.com
• आज ही एडमिशन कराएँ – सीटें बहुत सीमित हैं!
Hostel Seats Filling Fast • Admission Closing Soon • First Come First Serve
"बच्चों की सफलता – परिवार का सम्मान"

DPRC
डेज फिजियोथेरेपी एण्ड रिहैबिलिटेशन सेन्टर
पता- डेज हाईट्स, डी.आर.सी.सी मेन गेट, NOBEL हॉस्पीटल, राणाबिगहा, आदर्श बाईपास थाना के पीछे, सिपाह मोड़, बिहार शरीफ (नालन्दा)
9279193287
घूटनों के दर्द, कमर दर्द, गर्दन दर्द, एवं मांसपेशियों के दर्द से तुरंत राहत पाएँ।
पारंपरिक फिजियोथेरेपी मशीन से अलग
घूटनों का दर्द, कमर दर्द, गर्दन दर्द, टेंडिनाइटिस, मासपेशियों का दर्द का ईलाज अब अत्याधुनिक
Tecar Therapy द्वारा कराएँ।
बिहार शरीफ का एकमात्र अत्याधुनिक एवं उच्च गुणवत्ता वाली फिजियोथेरेपी केन्द्र
बिहार में पहली बार लकवा (पैरालायसिस) के लिए आवासीय (IPD)/OPD फिजियोथेरेपी की सुविधा राहत दर पर उपलब्ध।
* PHYSIO- OCCUPATIONAL THERAPY
* SPEECH THERAPY
* SPECIAL EDUCATOR, SOCIAL WORKER
* PROSTHETIC & ORTHOTIC PROFESSIONAL
We Work Together
सेवा – सम्मान– समर्पण

केंद्र और राज्य तालमेल के साथ काम करें-शशि थरूर

राजेश कुमार पासी

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने विपक्ष शासित राज्यों को केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी है। ये एक ऐसी सलाह है जो कि किसी भी विपक्षी नेता को पसंद आने वाली नहीं है क्योंकि विपक्षी दलों के मुख्यमंत्री केंद्र सरकार से टकराव को प्राथमिकता देते हैं। थरूर का कहना है कि सत्ताधारी दल को देश का जनादेश प्राप्त है और उनके साथ मिलकर काम करने से ही राज्य की जनता की भलाई हो सकती है। ऐसा नहीं लगता कि विपक्षी दल शशि थरूर की सलाह को गंभीरता से लेंगे क्योंकि उनकी अपनी पार्टी ही अब उनकी विरोधी बन चुकी है। जो नेता अपनी ही पार्टी में अलग-थलग पड़ गया हो, उसकी बात कौन सुनने वाला है।

देखा जाए तो उन्होंने देश की राजनीति की बहुत बड़ी समस्या की ओर ध्यान दिलाया है। ज्यादातर विपक्ष शासित राज्यों की सरकारें केंद्र सरकार के प्रति दुश्मन जैसा व्यवहार करती हैं। उनका कहना होता है कि जनता ने उन्हें प्रदेश चलाने का जनादेश दिया है, इसलिए वो ही तय करेंगे कि प्रदेश के लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा है। वो केंद्र सरकार के साथ काम करना अपनी राजनीति के लिए सही नहीं मानते हैं। उनकी इस सोच के कारण संबंधित राज्यों की जनता को नुकसान उठाना पड़ता है। अब तो राज्यों में यह चलन बढ़ता जा रहा है कि वो केंद्र सरकार की योजनाओं को अपने राज्यों में लागू नहीं करते हैं । उनको लगता है कि अगर इन योजनाओं से जनता को फायदा होगा तो केंद्र सरकार को उसका राजनीतिक फायदा मिल सकता है। केंद्र की योजनाओं का नाम केंद्र सरकार के द्वारा ही निर्धारित किया जाता है। इन योजनाओं के नाम से ही पता चल जाता है कि यह केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना है । दूसरी तरफ भाजपा की केंद्र सरकार भी इन योजनाओं का प्रचार करती है ताकि उसे प्रदेश की जनता का समर्थन मिल सके।

सवाल यह है कि क्या पहले ऐसा नहीं होता था। सच तो यह है कि पहले केंद्र सरकार की ज्यादातर योजनाओं का नाम गांधी परिवार केकिसी सदस्य के नाम पर ही होता था। योजना के नाम से ही पता चल जाता था कि ये योजना केंद्र की कांग्रेस सरकार द्वारा चलाई गई है। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद ज्यादातर केंद्र सरकार की योजनाओं का नाम प्रधानमंत्री या राष्ट्रवादी नेताओं के नाम पर रखा है। कुछ योजनाओं के नाम में तो सिर्फ देश का नाम ही लिया गया है। इसकी ओर इशारा करते हुए थरूर कहते हैं कि केरल की वामपंथी सरकार ने कथित रूप से केंद्र सरकार की योजना को खारिज कर दिया है। थरूर ने केरल सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि उसने केंद्र सरकार का फंड लौटा कर सही नहीं किया है।

थरूर दुबई में मंगलवार को अमृता न्यूज़ के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे. वो वहां केरल के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केरल दिवालिया हो गया है, स्कूल की छतें टपक रही हैं और डेस्क या ब्लैकबोर्ड के लिए पैसे नहीं हैं। उनका कहना है कि इसके बावजूद हम राजनीतिक रूप से शुद्ध बन रहे हैं और केंद्र सरकार के पैसों को ठुकरा रहे हैं। आगे वो कहते हैं कि ये पागलपन है. ये करदाताओं का पैसा है, हमारा पैसा है। देखा जाए तो वो बिल्कुल सही कह रहे हैं कि ये देश का पैसा है। केंद्र सरकार के पास जो पैसा है, वो पूरे देश की जनता से प्राप्त टैक्स का पैसा है। इस पर पूरे देश का हक होता है इसलिए अपनी क्षुद्र राजनीति के चक्कर में इस पैसे को ठुकराना गलत है। उनका कहना है कि वो अक्सर भाजपा की केंद्र सरकार से असहमत होते हैं लेकिन जनादेश का सम्मान करते हैं। वो कहते हैं कि वो सत्ताधारी दल से असहमत होते हैं, लेकिन वो फिर भी सत्ताधारी दल है । उनका कहना है कि जब देश ने उसे जनादेश दिया है, तो वो उसके साथ मिलकर काम करेंगे ।

वो कहते हैं कि अगर किसी योजना के साथ केंद्र सरकार की ओर से शर्तें आती हैं तो वो देखेंगे कि वो अपने विश्वास के अनुसार उन्हें कैसे लागू कर सकते हैं। मैं योजना के लिए पैसा लूंगा क्योंकि मेरी जनता को उसकी आवश्यकता है। वो कहते हैं कि राजनीतिक हठ की जगह आपसी सहयोग जरूरी है। उनका कहना है कि लोगों को सिर्फ सोच की शुद्धता में दिलचस्पी है लेकिन हम इस तरह से काम नहीं कर सकते । वो कहते हैं कि किसी ने चुनाव जीता है और केंद्र में सरकार बनाई है, आपने राज्य में चुनाव जीता है और सरकार बनाई है। अगर आपका राज्य केंद्र के लोगों से सहयोग नहीं करेगा तो आप कुछ भी कैसे कर पाएंगे । उनका कहना है कि आपको सच कहना होगा कि सहयोग हमारे हित में है, यह हमारे लोगों के हित में है, भारत और केरल दोनों के नागरिकों के हित में है। प्रधानमंत्री मोदी भी केंद्र और राज्य की सरकारों को एक टीम की तरह मिलकर काम करने को कहते हैं, वो इसे टीम इंडिया का नाम देते हैं। देखा जाए तो देश के हित में यही है कि केंद्र और राज्य मिलकर काम करे ताकि बेहतर परिणाम हासिल हो सके। केंद्र सरकार कितनी भी बढ़िया योजनाएं लेकर आ जाये, अगर राज्य उसे अपने यहां लागू नहीं करते हैं तो प्रदेश विशेष की जनता को फायदा नहीं मिलने वाला है। अगर राज्य सरकार योजना को अपने यहां लागू नहीं करती है तो राज्य की जनता का नुकसान होता है, क्या कोई भी राजनीतिक दल इससे इंकार कर सकता है।

मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दलों में आपसी तालमेल खत्म सा हो गया है। विपक्षी दल मोदी सरकार के साथ मिलकर काम करते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं। अगर केंद्र सरकार विपक्ष शासित राज्यों के साथ भेदभाव करती है तो उसे राज्यों को संसद में उठाना चाहिए और देश को बताना चाहिए कि उनके साथ कैसे भेदभाव किया जा रहा है। उड़ीसा में 2024 में सत्ता परिवर्तन हुआ है और वहां बीजू जनता दल को हराकर भाजपा ने सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ली है। इससे पहले मोदी सरकार और उड़ीसा की बीजू जनता दल की नवीन पटनायक की सरकार मिलकर काम कर रहे थे। दोनों के तालमेल से राज्य का विकास हो रहा था। इसके विपरीत बंगाल, पंजाब और तमिलनाडु की राज्य सरकारों का केंद्र सरकार के साथ जबरदस्त टकराव देखने को मिल रहा है। इससे पहले दिल्ली की केजरीवाल सरकार हर मुद्दे पर मोदी सरकार के सामने खड़ी दिखाई देती थी। 2025 में केजरीवाल की दिल्ली की सत्ता से विदाई हो गयी है। वो अपने 10 साल से ज्यादा के कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार पर लगातार यह आरोप लगाते रहे कि केंद्र सरकार उन्हें दिल्ली में काम नहीं करने दे रही है।

केजरीवाल एक तरफ केंद्र सरकार पर काम करने से रोकने का आरोप लगा रहे थे, तो दूसरी तरफ उन्होंने कोरोना के दौरान सारे नियम-कानून ताक पर रखकर अपने लिये शीशमहल तैयार कर लिया। केंद्र सरकार की नाक के नीचे बैठकर उन्होंने यह कारनामा अंजाम दे दिया, तब उन्हें कोई नहीं रोक नहीं पाया। इससे साबित होता है कि वो बेमतलब का शोर मचा रहे थे। भारतीय संविधान में सबके अपने अधिकार हैं और कर्त्तव्य भी हैं। जनता को आप कुछ देर बेवकूफ बना सकते हैं लेकिन वो जल्दी ही नेताओं की नीयत समझ जाती है। केजरीवाल के काम न करने के बहाने जनता को जैसे ही समझ आ गए, उसने केजरीवाल को दिल्ली की सत्ता से उखाड़ कर फेंक दिया। जो केजरीवाल प्रधानमंत्री बनने के सपने ले रहे थे, वो आज मुख्यमंत्री भी नहीं रह गए हैं। केंद्र के साथ मिलकर काम करने से राज्य का भला होता है तो राज्य में काम करने वाले दल को ही उसका राजनीतिक लाभ मिलता है। केंद्र में काम करने वाली पार्टी को भी फायदा होता है लेकिन राज्य में शासित दल के फायदे कम नहीं होते।

भारत की जनता राजनीतिक दलों की सोच से कहीं ज्यादा समझदार और राजनीतिक रूप से जागरूक हो चुकी है। विपक्षी दल अपनी राजनीतिक सोच के कारण जनता से दूर होते जा रहे हैं, इसलिए भाजपा धीरे-धीरे राज्यों की सत्ता पर काबिज होती जा रही है। अपनी मूर्खता के कारण विपक्ष जनता का समर्थन खोता जा रहा है और वोट चोरी का आरोप लगा रहा है। कितनी अजीब बात है कि जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था के कारण कांग्रेस देश पर 55 साल तक राज करती रही, उसे आज पूरी व्यवस्था ही खराब नजर आ रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये व्यवस्था भी कांग्रेस द्वारा ही खड़ी की गई है।

भारत का संविधान राज्य और केंद्र में शक्तियों का ऐसा बंटवारा करता है कि दोनों जनता की सेवा करते रहे । दोनों एक दूसरे के पूरक हैं, एक दूसरे के विरोधी नहीं हैं। शशि थरूर के बयान को सकारात्मक सोच के साथ समझने की जरूरत है। वो आज भी विपक्ष के नेता हैं और सरकार के विरोधी हैं। अंतर सिर्फ यह आ गया है कि वो मोदी सरकार का अंध विरोध छोड़कर उसके साथ मिलकर काम करने की सलाह दे रहे हैं। थरूर कोई नई सलाह नहीं दे रहे हैं बल्कि वो देश के संविधान का सार बता रहे हैं। हमारे महापुरुषों ने देश में संघात्मक लक्षणों वाली एकात्मक लोकतांत्रिक प्रणाली की स्थापना की है। केंद्र को मजबूत बनाया है लेकिन राज्यों को मजबूर नहीं बनाया है। वो केंद्र सरकार की मदद के बिना भी अपनी व्यवस्था चला सकते हैं क्योंकि उनकी अपनी शक्तियां हैं। अगर केंद्र और राज्य मिलकर चलते हैं तो देश को फायदा होता है और देश के फायदे में ही राज्यों का फायदा है । राज्यों के फायदे में देश का फायदा है । जब राज्यों का फायदा होगा तो राज्य में शासन करने वाली राजनीतिक पार्टियों को ही इसका फायदा होगा । इसी आधार पर भाजपा आजकल विधानसभा चुनावों में डबल इंजन की सरकार का नारा लगाती है। केंद्र में उसकी सरकार चल रही है और राज्य में सरकार आने पर दोनों के मिलकर चलने की गारंटी होती है। इसका दूसरा संदेश है कि विपक्ष की सरकारें केंद्र के साथ मिलकर काम नहीं करती हैं, जिसके कारण राज्य का विकास रुक जाता है। भाजपा देश की जनता को यह समझाने की कोशिश कर रही है कि राज्य और केंद्र में जब एक पार्टी की सरकार होती है तो जनता के लिए फायदेमंद होती है। कई राज्यों में भाजपा लगातार सरकार बनाने में सफल रही है। इससे पता चलता है कि जनता भी धीरे-धीरे भाजपा के साथ जा रही है। देखा जाए तो शशि थरूर ने वर्तमान राजनीति का सच बताया है जिससे विपक्ष को ही नुकसान हो रहा है। वो एक तरह से विपक्ष की बिगड़ती हालत को सुधारने के लिए कड़वी दवा दे रहे हैं। विपक्ष को उनकी बात समझ आ जाये तो उसके लिए ही अच्छा होगा।

राजेश कुमार पासी

जब दुनिया तेजी से होती जा रही है शहरी तो फिर गांवों का क्या हश्र होगा?

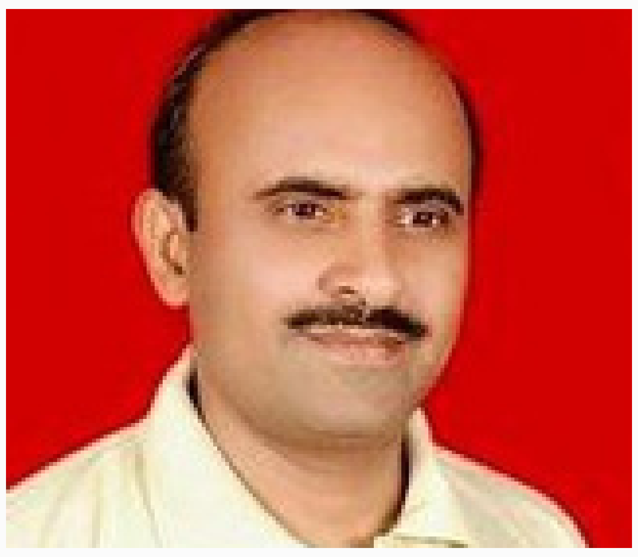

कमलेश पांडेय

समकालीन दुनिया में जिस गति से शहरीकरण को रफ्तार और विस्तार मिल रहा है, उससे एक सवाल बुद्धिजीवियों के दिलोदिमाग में उपज रहा है कि जब दुनिया तेजी से शहरी होती जा रही है तो फिर गांवों और उनकी अर्थव्यवस्थाओं का क्या हश्र होगा? कहने का तातपर्य यह कि शहरी लोगों के लिए अनाज, फल-फूल, सब्जियां, दूध, मांस मुहैया कराने वाली ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को आगे संभालेगा कौन? यह एक नया यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह ऐसी नीतियां बनाए जिससे गांव में भी यातायात और संचार के साधन मजबूत हों। रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान आदि सबके लिए आसपास ही उपलब्ध हों या फिर ज्यादा दूर नहीं हों।

यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ, क्योंकि विश्व शहरीकरण संभावनाएं 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया तेजी से शहरी होती जा रही है और अब 8.2 अरब की वैश्विक आबादी का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा शहरों में रहता है। इसलिए 2025 से 2050 के बीच दुनिया की शहरी आबादी में करीब 98.6 करोड़ की वृद्धि होगी जिसमें से 50 करोड़ से अधिक शहरी निवासी केवल सात देशों में जुड़ेंगे जिनमें भारत भी शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निम्नलिखित सात देश यानी भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, मिस्र, बांग्लादेश, और इथियोपिया - शहरी आबादी के भविष्य के विकास को रूप देंगे और इन देशों में शहरीकरण की सफलता या असफलता का वैश्विक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2025 तक शहरी निवासियों का अनुपात लगभग 44 प्रतिशत हो जाएगा। वहीं, 2050 तक दुनिया की 83 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने की संभावना है, जिससे शहरी क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ेगा।

इसके अलावा, रिपोर्ट में उल्लेख है कि शहरी विस्तार के कारण भूमि उपयोग में बदलाव आएगा जिससे वनमूलन और आवासीय विनाश हो सकता है, और यह जलवायु परिवर्तन के उद्देश्यों और सतत विकास लक्ष्यों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। खासकर एशिया और अफ्रीका में शहरीकृत आबादी में तेज वृद्धि की उम्मीद है, और विशेष रूप से भारत व चीन में शहरी आबादी सबसे बड़ी होगी।

इस प्रकार, 2025 की यह रिपोर्ट विश्व के शहरीकरण के दिशानिर्देशों, प्रमुख देशों के बढ़ते शहरीकरण, और इससे जुड़े सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों की व्यापक जानकारी देती है। जहां तक वैश्विक शहरीकरण की वर्तमान स्थिति का सवाल है तो विश्व शहरीकरण संभावनाएं 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की 8.2 अरब आबादी में से 45% लोग शहरों में रहते हैं, जबकि कस्बे 36% और ग्रामीण क्षेत्र 19% आबादी रखते हैं।

उल्लेखनीय है कि 1975 में केवल 8 मेगा-सिटी (1 करोड़ से अधिक आबादी वाले) थे, जो 2025 में बढ़कर 33 हो गए, जिनमें से 19 एशिया में हैं। सबसे अधिक आबादी वाला शहर जकार्ता (इंडोनेशिया) है, उसके बाद ढाका, टोक्यो और नई दिल्ली (अब चौथे पायदान पर) आते हैं। वहीं, शहरी आबादी वृद्धि का पूर्वानुमान 2025 से 2050 तक वैश्विक शहरी आबादी में 98.6 करोड़ की वृद्धि होगी जिसमें से आधे से अधिक (50 करोड़+) सात देशों - भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मिस्र, बांग्लादेश और इथियोपिया- में होगी। स्पष्ट है कि 2050 तक 83% वैश्विक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने की संभावना है। भारत और चीन मिलकर 1.2 अरब से अधिक कस्बा निवासियों के साथ वैश्विक कस्बा आबादी का 40% हिस्सा रखते हैं। जहां तक भारत-केंद्रित प्रमुख तथ्य का सवाल है तो यह कहा जा सकता है कि भारत में 44% आबादी कस्बों में रहती है, और यह सात प्रमुख देशों में से एक है जो वैश्विक शहरी वृद्धि को आकार देगा। विश्व के 96% शहर 10 लाख से कम आबादी वाले हैं जबकि 81% 2.5 लाख से कम के। ग्रामीण क्षेत्र अब भी 62 देशों में सबसे आम बसावट हैं, जो 2050 तक घटकर 44 रह जाएंगे।

इस रिपोर्ट में भावी चुनौतियों के दृष्टिगत कुछ सिफारिशें भी की गई हैं क्योंकि इन देशों में शहरीकरण की सफलता वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों और जलवायु उद्देश्यों को प्रभावित करेगी, जिसमें भूमि उपयोग परिवर्तन, वनमूलन और बुनियादी ढांचे पर दबाव शामिल हैं। इसलिए यह रिपोर्ट स्थायी शहरी नियोजन पर जोर देती है, क्योंकि 2050 तक मेगा-सिटी 37 हो जाएंगी।

जहां तक वर्तमान स्थिति का सवाल है तो UN DESA की विश्व शहरीकरण संभावनाएं 2025 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वर्तमान में शहरी आबादी का अनुपात लगभग 44% है, जो 8.2 अरब वैश्विक आबादी के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। 2025 तक भारत की शहरी आबादी करीब 54 करोड़ अनुमानित है। वहीं, भविष्य के पूर्वानुमान का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की शहरी आबादी 2030 तक 60.7 करोड़ और 2035 तक 67.5 करोड़ पहुंचने का अनुमान है, जिससे शहरीकरण दर 43.2% हो जाएगी। वहीं, 2050 तक यह 81.4 करोड़ तक बढ़ सकती है, जो कुल आबादी का 53% से अधिक होगा, और भारत वैश्विक शहरी वृद्धि में प्रमुख भूमिका निभाएगा। 2025-2050 के बीच भारत सहित सात देशों में 50 करोड़ से अधिक शहरी निवासी जुड़ेंगे।

जहां तक इसके वृद्धि दर और प्रभाव का प्रश्न है तो शहरीकरण की वार्षिक वृद्धि दर स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट नहीं है, लेकिन 2020 से 2035 तक औसतन 1.2 करोड़ प्रति वर्ष की वृद्धि दर्शाती है, जो आर्थिक विकास से जुड़ी है। यह तेज गति बुनियादी ढांचे पर दबाव डालेगी, लेकिन सतत नियोजन से प्रबंधनीय है। जहां तक शहरी आबादी के आंकड़े का सवाल है तो UN DESA की विश्व शहरीकरण संभावनाएं रिपोर्ट (2022 संस्करण से डेटा) के अनुसार, भारत की शहरी आबादी 2020 में 48.31 करोड़ थी, जो 2025 तक 54.27 करोड़, 2030 तक 60.73 करोड़ और 2035 तक 67.54 करोड़ पहुंचने का अनुमान है। कुल 15 वर्षों (2020-2035) में 19.23 करोड़ की वृद्धि होगी।
इसकी सालाना वृद्धि दर गणना के मुताबिक, 2020 से 2035 तक औसत वार्षिक शहरी आबादी वृद्धि लगभग 1.28 करोड़ प्रति वर्ष है (19.23 करोड़ / 15 वर्ष)। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) लगभग 2.15% है, जो निम्नलिखित आधार पर निकाली गई: यह दर आर्थिक विकास और प्रवासन से प्रेरित है। जहांतक इसके प्रभाव और संदर्भ का सवाल है तो यह वृद्धि भारत को चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा शहरी आबादी वाला देश बनाएगी, जहां 2035 तक शहरी अनुपात 43.2% हो जाएगा। 2025 रिपोर्ट में भी भारत सात प्रमुख देशों में शामिल है, जो वैश्विक शहरी वृद्धि का 50%+ योगदान देगा।

जहां तक उपलब्ध डेटा सीमाएँ की बात है तो UN DESA विश्व शहरीकरण संभावनाएं 2025 रिपोर्ट या अन्य स्रोतों में 2020-2035 के लिए राज्यवार शहरी वृद्धि दर की पूर्ण तालिका उपलब्ध नहीं है। अधिकांश डेटा राष्ट्रीय स्तर या पुरानी जनगणना (2011) पर आधारित है, जिसमें कुछ राज्यों (जैसे राजस्थान) के अनुमान हैं। वहीं, राज्यवार शहरीकरण अनुपात तालिका (चयनित राज्य) नीचे 1961 से 2031 तक के अनुमानित शहरी अनुपात (%) दिए गए हैं (राजस्थान आर्थिक समीक्षा से); 2020 डेटा अनुपलब्ध होने पर निकटतम अनुमान। वृद्धि दर (%) दशकीय आधार पर निकाली गई।
चूंकि अन्य प्रमुख राज्य (2011 जनगणना आधारित शहरी अनुपात) दिल्ली: 97.5% गोवा: 62.2% चंडीगढ़: 97.25% केरल: 47.7% तमिलनाडु, महाराष्ट्र: उच्च शहरीकरण वाले राज्य। पूर्ण राज्यवार 2020-2035 डेटा के अभाव में, राष्ट्रीय औसत CAGR 2.15% (पिछली गणना) का उपयोग अनुमान के लिए किया जा सकता है।
कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

रेड क्रॉस सोसाइटी ने नालंदा में आयोजित किया साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच शिविर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा नालंदा द्वारा रविवार को श्रम कल्याण केंद्र मैदान स्थित विस्तारित भवन में साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस निःशुल्क शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद एवं निसहाय लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना रहा। शिविर में पहुंचे लाभार्थियों ने रेड क्रॉस सोसाइटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नियमित स्वास्थ्य शिविर उनके लिए बेहद मददगार साबित हो रहे हैं।
शिविर में जिले के प्रख्यात चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों की जांच और परामर्श प्रदान किया गया। कुल 115 लोगों की जांच की गई, जिसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी ने 36 बच्चों की जांच की। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव कुमार सिंह ने 40 रोगियों का परीक्षण किया। फिजिशियन डॉ. इंद्रजीत कुमार ने 60 मरीजों की जांच की। होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. गौतम कुमार ने 18 लोगों को परामर्श दिया, वहीं 30 लोगों की मधुमेह जांच भी की गई।
शिविर में उपस्थित प्रमुख चिकित्सकों में डॉ. नीतीश कुमार (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. इंद्रजीत कुमार (फिजिशियन), डॉ. अभिनव कुमार सिंह (नेत्र रोग विशेषज्ञ) और डॉ. गौतम कुमार (होम्योपैथिक विशेषज्ञ) शामिल रहे।
कार्यक्रम के सफल संचालन में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष अरविंद पंडित, तथा आजीवन सदस्यों—प्रमोद पंडित, नागेंद्र कुमार, बृज बिहारी प्रसाद, चंद्रमणि प्रसाद, प्रो. स्वधर्म कुमार, साधु शरण प्रसाद, डॉ. स. म. मुजफ्फर जावाल, एनएम मुस्कान कुमारी, अरुण कुमार और संजय कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।
इन सदस्यों ने मरीजों के पंजीकरण, कतार प्रबंधन और व्यवस्था सुचारु रखने में अहम योगदान दिया, जिसे शिविर की सफलता का आधार बताया गया।

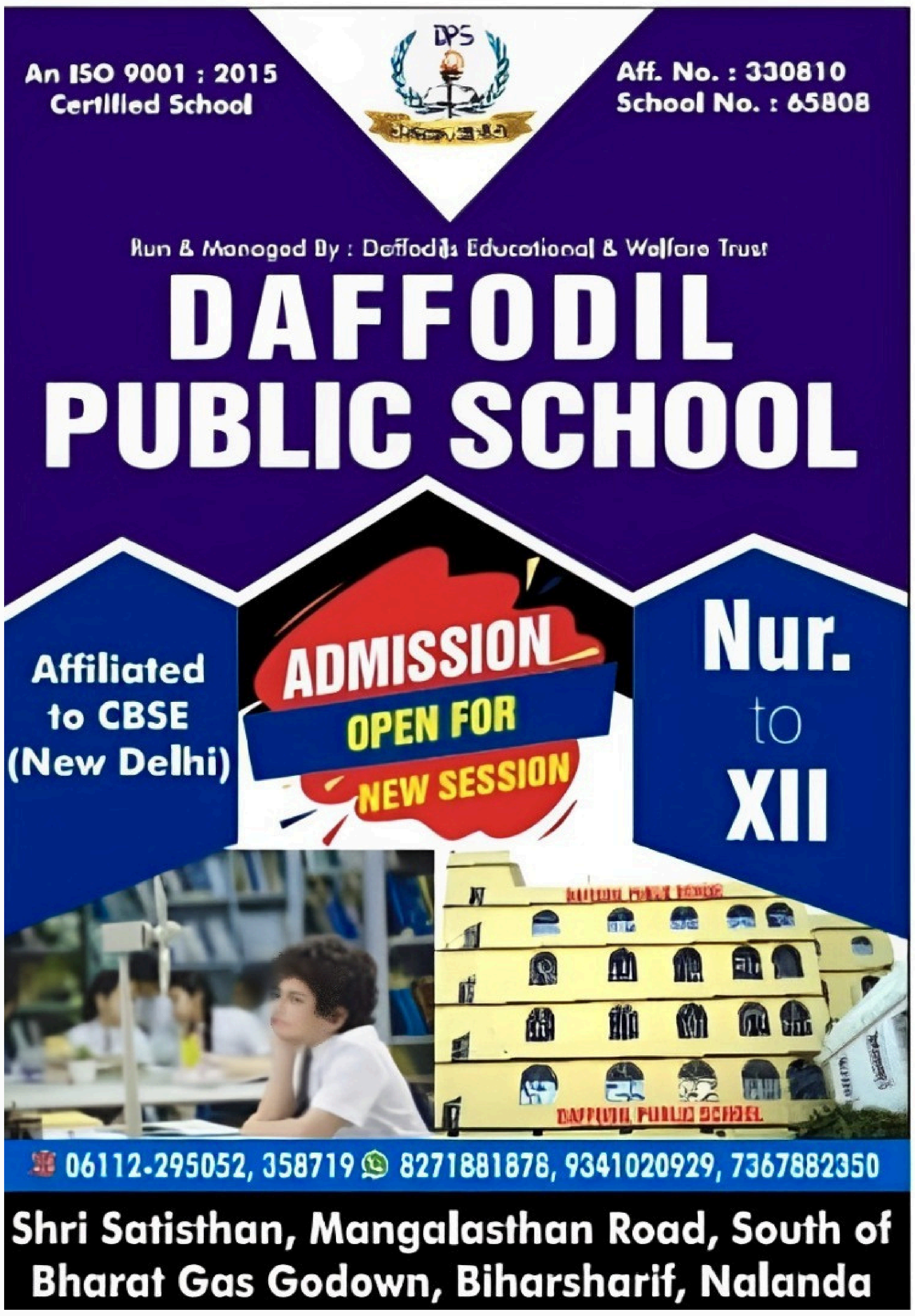

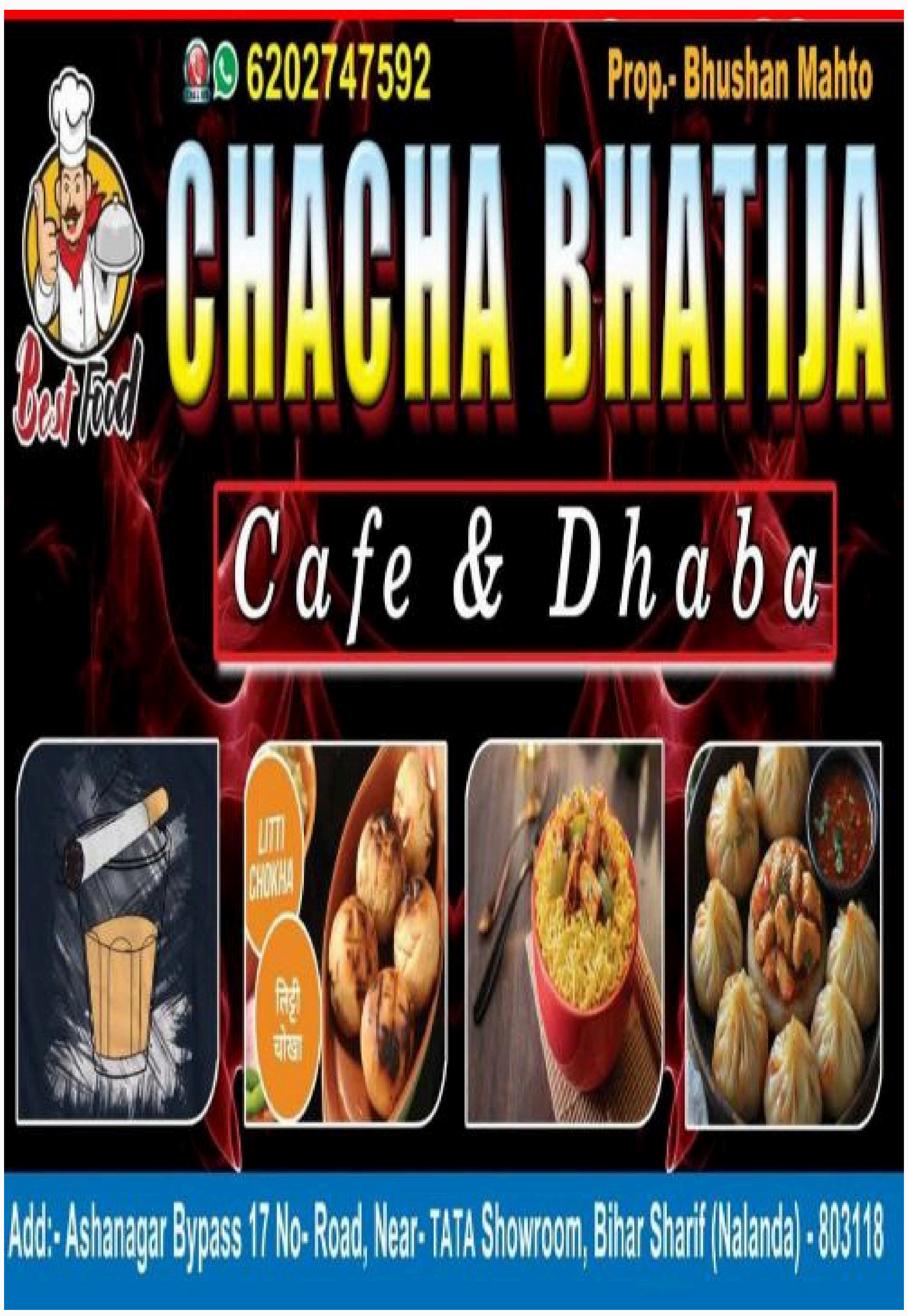

"रासायनिक खेती छोड़ प्राकृतिक खेती अपनाने की किसानों से अपील की गई"

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नूरसराय प्रखंड के अजयपुर में शनिवार को एक दिवसीय कृषि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभ, महत्व तथा रासायनिक खेती के दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खेती जिला निगरानी समिति के सदस्य वीर अभिमन्यु सिंह ने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से किसान अनजाने में खेतों के साथ अपने शरीर में भी जहर पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज किसान फसल नहीं, बल्कि बीमारी पैदा करने वाले उत्पाद उगा रहे हैं, जिससे समाज का वर्तमान और भविष्य दोनों प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में राजस्थान के श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ क्षेत्र में खेतों में स्प्रे करने वाले किसानों का ब्लड टेस्ट कराएजाने पर उनके खून में खतरनाक केमिकल पाए गए। पेस्टिसाइड्स के लगातार संपर्क से किसानों के खून की संरचना बदल रही है और यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। यहां तक कि दूध पिलाने वाली माताओं के दूध में भी रसायन की मौजूदगी पाई जा रही है।

सिंह ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि प्राकृतिक उत्पाद बाजार में आम उत्पाद से दोगुने भाव में बिकते हैं। किसान सिर्फ सही पैकिंग कर अपनी फसल सीधे बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकते हैं। इच्छुक किसान जिला कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

चौपाल में उपस्थित किसान—बच्ची देवी, जीरा देवी, जमनी देवी, नईमा देवी, फुलवा देवी, बर्फी देवी और लाल कुंवर देवी—ने माना कि रासायनिक खादों ने मिट्टी को जहरीला कर दिया है और अब प्राकृतिक खेती ही समाधान है।कार्यक्रम में बीएओ रामदेव पासवान, समन्वयक संजीव कुमार, सलाहकार महेश प्रसाद, बीटीएम सुप्रिया भारती, कृषि सखी संजू देवी सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे तथा विभिन्न कृषि योजनाओं पर चर्चा की गई।

वासंतिक रवि महाअभियान के तहत धर्मपुर में कृषि जन कल्याण चौपाल

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नु

नूरसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के बारा खुर्द पंचायत के धर्मपुर गांव में रविवार को वासंतिक रवि महाअभियान 2025 के अंतर्गत कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई।

चौपाल में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सुप्रिया भारती ने किसानों को संबोधित करते हुए पराली जलाने से होने वाले दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से भूमि की उर्वरता कम होती है, पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और फसल उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए किसी भी परिस्थिति में खेतों में पराली नहीं जलाने की अपील की। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण, उन्नत कृषि तकनीक, जैविक खेती और सरकारी अनुदान से मिलने वाली कृषि मशीनरी के लाभों की भी विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में महिंद्रा ट्रैक्टर की ओर से आए विशेषज्ञ मनोज कुमार ने आधुनिक फार्म मशीनरी, फसल प्रबंधन तकनीक और कृषि में मशीनीकरण के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि सही मशीनों के उपयोग से समय, श्रम और लागत—तीनों की बचत होती है तथा उत्पादन क्षमता बढ़ती है।

इस चौपाल का संचालन आशुतोष कुमार सुधांशु ने किया। मौके पर नकुल प्रसाद, किसान सलाहकार पंकज कुमार सिंह, सुबोध कुमार, होरील प्रसाद सहित बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित थे। किसानों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कई महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान दिया गया।

भारतीय-नेपाली सांस्कृतिक महोत्सव में नन्हे प्रतिभाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं संपन्न

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। केन्द्रीय विद्यालय, भारतीय राजदूतावास काठमांडू में प्राथमिक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आयोजित सांस्कृतिक उत्सव उत्साह और हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय राजदूतावास काठमांडू के उप मिशन प्रमुख डॉ. राकेश पाण्डेय रहे। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा दी।

विद्यालय के प्राचार्य ए. जेराल्ड ने पारंपरिक अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने विद्यालय की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के चीफ कोऑर्डिनेटर डॉ. आनंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यह प्राचार्य महोदय का अभिनव प्रकल्प है जिसका उद्देश्य प्राथमिक वर्ग के प्रत्येक बच्चे को मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विभाग का कोई भी छात्र ऐसा नहीं रहा जिसे प्रस्तुति का अवसर न मिला हो, यही इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता है।

भारतीय और नेपाली सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित पारंपरिक परिधानों में सजे नन्हे कलाकारों ने लोकनृत्य, शास्त्रीय नृत्य, नाट्य रूपांतरण, भक्तिमय मुद्राएँ, ढोल-वादन और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ शिक्षक एच. वैद्यनाथन ने अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर विद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक विविधता, सर्वसमावेशी सहभागिता और अनुशासित प्रस्तुति के कारण कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय रहा।

एनसीसी कैडेटों ने महाबोधि महाविद्यालय में चलाया पर्यावरण संरक्षण पौधारोपण अभियान

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। महाबोधि महाविद्यालय, नालंदा में 38 बिहार बटालियन एनसीसी, बिहारशरीफ के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजेश बहरी और सूबेदार मेजर ललिंद्र टिंगाके के निर्देशन में महाविद्यालय की 8/38 एनसीसी कंपनी द्वारा बृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर सीटीओ डॉ. धनंजय कुमार देव और विकास कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अभियान के तहत एनसीसी कैडेटों ने महाविद्यालय परिसर में 54 फलदार पौधों का रोपण किया। प्रत्येक कैडेट ने अपनी पसंद का पौधा चुनकर उसे स्वयं रोपा और उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया। कैडेटों की सक्रिय भागीदारी के कारण महाविद्यालय परिसर उत्साह और पर्यावरणीय चेतना से भर गया।

प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम है, बल्कि युवा पीढ़ी की सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेटों ने अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देकर एक प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है।

सीटीओ डॉ. धनंजय कुमार देव, विकास कुमार और हवलदार एस.एस.के. टोप्पो ने भी कैडेटों का उत्साहवर्धन किया। कैडेटों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक बनाते हैं तथा एनसीसी में उनका अनुभव और भी प्रेरणादायक हो जाता है।

पौधारोपण के दौरान "सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएँ हम" जैसे नारों से परिसर गुंजायमान हो उठा।

कार्यक्रम में एनएसएस पदाधिकारी प्रो. सुधीर कुमार वर्मा, प्राध्यापक आनंदमूर्ति, प्राध्यापिका प्रेमलता सिंह, मंजू सिंह, प्राध्यापक माधव आनंद सहित सभी एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे।

कल्याण बिगहा पशु चिकित्सालय नए भवन में शिफ्ट, पशुपालकों को मिलेगी सुविधा

हरनौत (अपना नालंदा)। लंबे समय से किराये के मकान में संचालित कल्याण बिगहा का प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय अब अपने नए भवन में स्थानांतरित हो गया है। नए भवन के तैयार होने से पशुपालकों को बेहतर और सुगम चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।
दो मंजिला इस आधुनिक भवन में भूतल पर अस्पताल कार्यालय, ओपीडी तथा उपचार कक्ष बनाए गए हैं। वहीं ऊपरी मंजिल पर चिकित्सकों के आवास की व्यवस्था की गई है, जिससे आपात स्थिति में चिकित्सा सेवा और भी तेजी से उपलब्ध हो सकेगी।नए भवन में स्थानांतरित होने के बाद सरकार द्वारा संचालित सभी सुविधाएँ अब पशुपालकों को सहज रूप से मिल सकेंगी। यदि किसी पशु की हालत गंभीर है और उसे अस्पताल लाना संभव नहीं है, तो चिकित्सक पशुपालक के घर पहुंचकर उपचार करेंगे। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा जारी टोल-फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर जानकारी दी जा सकती है। सूचना मिलते ही एंबुलेंस के साथ चिकित्सक और उनके सहायक दवाइयों सहित मौके पर पहुंचकर उपचार करेंगे।
भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. घुनंदन सिंह ने बताया कि नए भवन के मिलने से अस्पताल की क्षमता बढ़ी है तथा विभाग की सभी योजनाएँ अब अधिक प्रभावी ढंग से लागू की जा सकेंगी। पशुपालकों को टोल-फ्री नंबर के माध्यम से भी सहायता उपलब्ध रहेगी।नए भवन का उद्घाटन पशु उत्पादन संस्थान सह क्षेत्रीय निदेशक, पटना के डॉ. रणधीर कुमार तथा सहायक निदेशक (सामान्य) डॉ. पंकज कुमार ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। मौके पर डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. श्वेता रानी सहित अन्य चिकित्सक व कर्मचारी मौजूद थे।

खरिफ विपणन में सात पैक्स द्वारा 26 किसानों से 2526 क्विंटल खरीद

हरनौत (अपना नालंदा)। खरिफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत हरनौत प्रखंड में धान अधिप्राप्ति कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पैक्स) के माध्यम से साधारण धान ₹2,369 प्रति क्विंटल तथा एक-ग्रेड धान ₹2,389 प्रति क्विंटल की दर से खरीदारी की जा रही है।
प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी (BCO) कृष्ण कुमार ने बताया कि धान क्रय कार्य 15 नवंबर 2025 से शुरू हो चुका है, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। इस अवधि में केवल निबंधित किसानों से धान खरीदा जा रहा है। रैयत किसानों से अधिकतम 250 क्विंटल तथा गैर-रैयत किसानों से 100 क्विंटल तक धान खरीदी की सीमा निर्धारित की गई है।
उन्होंने कहा कि धान अधिप्राप्ति सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलता है तथा वे बिचौलियों के शोषण से बचते हैं। किसान पैक्स या सहकारिता कार्यालय में जाकर आसानी से निबंधन करा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण और भूमि संबंधी प्रमाण पत्र अनिवार्य हैं।
प्रखंड में कुल 13 चयनित पैक्स—बस्ती , मुढ़ारी, चेरो, चौरिया, गोनावां, कोलावां, लोहरा, नेहुसा, पाकड़, सबनहुआ, सरथा, सुढ़ारी और तेलमर—को धान खरीद का अधिकार दिया गया है। इनमें से 7 पैक्स सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं—बस्ती, सुढ़ारी, लोहरा, सरथा, मुढ़ारी, चेरो और नेहुसा।
अब तक 26 किसानों से कुल 2,526 क्विंटल धान खरीदा जा चुका है। इनमें सबसे अधिक खरीद बस्ती पैक्स (428 क्विंटल) द्वारा की गई है, जबकि सबसे कम खरीद नेहुसा पैक्स (91 क्विंटल) में दर्ज की गई है।
अन्य 5 पैक्स अब तक खरीद कार्य शुरू नहीं कर सके हैं।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बीसीओ, हरनौत में धान खरीद प्रभावित होने की संभावना

हरनौत (अपना नालंदा)। बिहार राज्य सहकारिता प्रसार पदाधिकारी संघ के आह्वान पर प्रखंड के सभी सहकारिता प्रसार पदाधिकारी सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल के कारण प्रखंड में चल रही धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया पर प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।
प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी (BCO) कृष्ण कुमार ने बताया कि सहकारिता संवर्ग की विभिन्न छह मांगों को लेकर विभाग को पहले ही ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन लंबे समय तक इन पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। विभागीय उदासीनता से आक्रोशित होकर अधिकारी वर्ग को अनिश्चितकालीन हड़तालका सहारा लेना पड़ा है।
उनकी मुख्य मांगों में—
● धान अधिप्राप्ति में निर्दोष सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई पर रोक,
● संवर्ग को राजपत्रित घोषित करना,
● कार्य सुविधा के लिए सहकारिता पदाधिकारियों को वाहन की उपलब्धता,
● पैक्स स्तर पर दक्ष कर्मियों की बहाली,
● प्रखंड स्तर पर सहकारिता भवन की व्यवस्था,● सहायक निबंधक पद को प्रोन्नति के माध्यम से भरनाआदि प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके साथ ही समतुल्य संवर्ग के अनुरूप सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई है।बीसीओ ने बताया कि सामूहिक हड़ताल के कारण पैक्स के माध्यम से संचालित धान खरीद कार्य की गति प्रभावित होगी और किसानों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। हड़ताल जारी रहने तक धान अधिप्राप्ति से संबंधित कार्य बाधित रहने की आशंका है।

प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार के सम्मान में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नूरसराय प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय ककड़िया में पदस्थापित प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार की सेवानिवृत्ति पर शुक्रवार को विदाई सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक राकेश बिहारी शर्मा ने तथा संचालन शिक्षक जितेन्द्र कुमार मेहता ने किया।
समारोह को संबोधित करते हुए राकेश बिहारी शर्मा ने कहा कि प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार अपनी ईमानदारी, मधुर व्यवहार और कर्तव्यनिष्ठा के लिए सदैव याद किए जाएंगे। लगभग 31 वर्ष से अधिक अवधि तक शिक्षा सेवा देने वाले दिलीप कुमार ने 1994 में बीपीएससी से चयनित होकर अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि उनकाविद्यालय से सेवानिवृत्त होना पूरे विद्यालय परिवार के लिए भावुक क्षण है।
सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार ने भावविह्वल होकर कहा कि विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों और छात्र-छात्राओं से मिला स्नेह हमेशा याद रहेगा। विद्यालय से एक गहरा अपनापन रहा, जिसे भूल पाना संभव नहीं होगा।शिक्षक जितेन्द्र कुमार मेहता, पूजा कुमारी, मनोज कुमार और सुरेंद्र कुमार सहित अन्य शिक्षकों ने भी दिलीप कुमार के कार्यकाल, शालीन व्यक्तित्व और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। सभी ने उन्हें सामाजिक कार्यों और सकारात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं के स्वागतगान और समापन विदाई गीत से हुआ। मौके पर उपस्थित शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने दिलीप कुमार को माला, अंगवस्त्र व शॉल पहनाकर सम्मानित किया। छात्रों तथा अभिभावकों ने भी उपहार देकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

सड़क हादसे में घायल युवक की पटना में मौत, गांव में पसरा मातम

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत प्रखंड के बसनियावां पंचायत स्थित गंगाटा गांव के एक 21 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान पटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान रामरतन पासवान के पुत्र बिक्रम कुमार के रूप में की गई है।ग्रामीणों के अनुसार, 24 नवंबर को बिक्रम कुमार अपने एक साथी के साथ बाइक से परिजनों से मिलने जा रहे थे। इसी दौरान बाढ़-बेढना मार्ग के पास उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में बिक्रम गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था।लगभग एक सप्ताह तक उपचार चलने के बाद रविवार को अस्पताल में उनकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार सहित पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।परिजनों ने प्रशासन से मुआवजा सहायता की मांग की है। इस संबंध में बीडीओ डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि प्रक्रिया के तहत पात्रता के अनुसार सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

सड़क हादसे में घायल युवक की पटना में मौत, गांव में पसरा मातम

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। स्थानीय पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में चुलाई शराब बनाने एवं बेचने के मामलों में पूर्व से फरार चल रहे दो वारंटियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अहियाचक मोहल्ला निवासी विकास रविदास तथाबहादुरगंज निवासी दामोदर राजवंशी के रूपमें हुई है। दोनों लंबे समय से न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट से बचते हुए फरारी जीवन जी रहे थे।पुलिस दल ने विशेष छापेमारी अभियान चलाया, जिसके दौरान दोनों को उनके ठिकानों से दबोच लिया गया। प्रभारी थानाध्यक्ष मुकुंद भारती ने बताया कि ये दोनों चुलाई शराब तैयार करने और इसकी अवैध बिक्री में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।